Roll No. ....

AYI/01

योगाचार्य (प्रथम सेमेस्टर) परीक्षा, 2016-17

प्रथम प्रश्नपत्र

योग के आधारभूत तत्व

समयः—घण्टात्रयम्

सम्पूर्णाङ्काः—80

उत्तीर्णाङ्काः—38

खण्ड—क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक है।

1. आधुनिक युग में योग की उपयोगिता की विस्तार से चर्चा कीजिये।
2. बौद्ध दर्शन के अनुसार योग के स्वरूप का विस्तार से वर्णन कीजिये।
3. स्वामी दयानन्द का जीवन परिचय देते हुए योग के क्षेत्र में उनके योगदान का वर्णन कीजिये।

4. श्रीमद्भगवद्गीता का परिचय देते हुए उसमें वर्णित मार्गों की विवेचना कीजिये।

खण्ड—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक है।

5. योग के उद्गम एवं विकास की चर्चा कीजिये।
6. सांख्य दर्शन के अनुसार योग के स्वरूप को समझाइये।
7. हठयोग का वर्णन कीजिये।
8. स्वामी कुवलयानन्द का जीवन परिचय दीजिये।

खण्ड—ग

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

9. गीता के अनुसार योग की परिभाषायें बताइये।
10. उपनिषदों के अनुसार योगाभ्यास के लिये उपयुक्त स्थान का वर्णन कीजिये।
11. हठयोग का अर्थ बताते हुए हठयोग के अंगों के नाम लिखिये।
12. स्वामी विवेकानन्द का संक्षिप्त जीवनपरिचय दीजिये।
13. घेरण्ड संहिता के अनुसार ध्यान का स्वरूप बताइये।

Roll No. ....

AYI/02

योगाचार्य (प्रथम सेमेस्टर) परीक्षा, 2016-17

द्वितीय प्रश्नपत्र

यौगिक ग्रन्थ (श्रीमद्भगवद्गीता)

समयः—घण्टात्रयम्

सम्पूर्णाङ्काः—80

उत्तीर्णाङ्काः—38

नोट : सभी खण्ड अनिवार्य हैं।

खण्ड—क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं।

1. श्रीमद्भगवद्गीता का परिचय देते हुए ग्रन्थ का महत्व बताइये।
2. गीता के अनुसार योग के विभिन्न लक्षणों पर विस्तार से प्रकाश डालिये।
3. गीता वर्णित ईश्वर के स्वरूप पर सप्रमाण प्रकाश डालिये।
4. अर्जुन के विषाद एवं उसके निवारण को स्पष्ट कीजिये।

खण्ड—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक है।

5. गीता वर्णित कर्मयोगी के लक्षणों को स्पष्ट कीजिये।
6. ईश्वर की विभूतियाँ बताइये।
7. निष्काम कर्मयोग को स्पष्ट कीजिये।
8. स्थितप्रज्ञता के लक्षण बताइये।

खण्ड—ग

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के 4 अंक हैं।

9. मनुष्य जीवन में गीता की उपादेयता बताइये।
10. स्थितप्रज्ञता के विरोधी भाव बताइये।
11. 'ज्ञानाग्नि' को स्पष्ट कीजिये।
12. त्रिविधि श्रद्धा पर प्रकाश डालिये।
13. ब्रह्म निर्वाण क्या है ? स्पष्ट कीजिये।

Roll No. ....

AYI/03

योगाचार्य (प्रथम सेमेस्टर) परीक्षा, 2016-17

तृतीय प्रश्नपत्र

हठयोग के सिद्धान्त

समयः—घण्टात्रयम्

सम्पूर्णाङ्काः—80

उत्तीर्णाङ्काः—38

नोट : प्रश्नपत्र में कुल तीन खण्ड हैं। सभी खण्ड अनिवार्य हैं।

खण्ड—क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

1. हठयोग सिद्धि के लक्षणों का विस्तार से वर्णन कीजिए।
2. प्राणायाम की उपयोगिता पर एक निबन्ध लिखिए।
3. हठयोग प्रदीपिकानुसार खेचरी मुद्रा व उड्डीयान बन्ध की विवेचना कीजिए।
4. घेरण्ड संहितानुसार सप्तसाधनों की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

खण्ड—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

1. हठयोगाभ्यास हेतु उचित ऋतु एवं काल का वर्णन कीजिए।
2. योग निद्रा के लाभ बताइए।
3. घेरण्ड संहितानुसार सहित कुम्भक एवं केवली कुम्भक की विवेचना कीजिए।
4. कुण्डलिनी शक्ति क्या है ? वर्णन कीजिए।

खण्ड—ग

(अतिलघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

1. हठयोगानुसार बाधक तत्वों के नाम लिखिए।
2. हठयोग प्रदीपिकानुसार योगाभ्यासी के लिए उपयुक्त आहार का वर्णन कीजिए।
3. उज्जायी प्राणायाम की विधि व लाभ बताइये।
4. हठयोग प्रदीपिकानुसार नेति की विधि तथा लाभ लिखिए।
5. हठयोग प्रदीपिकानुसार महावेध मुद्रा की विधि लिखिए।

Roll No. ....

AYI/04

योगाचार्य (प्रथम सेमेस्टर) परीक्षा, 2016-17

चतुर्थ प्रश्नपत्र

मानव शरीररचना/क्रिया विज्ञान

समयः—घण्टात्रयम्

सम्पूर्णाङ्काः—80

खण्ड—क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं **दो** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

1. हृदय की संरचना, क्रिया एवं उस पर योगाभ्यास के प्रभाव को विस्तार से बताइये।

2. पाचन तन्त्र की संरचना एवं कार्य को समझाते हुए योगाभ्यास के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

3. किन्हीं **दो** ज्ञानेन्द्रियों की संरचना एवं क्रिया को चित्र सहित समझाइये।

4. मस्तिष्क की संरचना एवं कार्य पर योगाभ्यास के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

1. हीमोग्लोबिन की संरचना एवं कार्य बताइये।
2. रोग प्रतिरोधात्मक तन्त्र पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
3. वृक्क की संरचना को चित्र सहित समझाइये।
4. श्वसन तन्त्र पर प्राणायाम के प्रभावों का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ग

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

1. कोशिका की संरचना बताइये।
2. खोपड़ी की संरचना एवं कार्य लिखिए।
3. ओवरी की संरचना को चित्र सहित समझाइये।
4. न्यूरोन की संरचना का एक चित्र बनाइये।
5. यकृत की संरचना एवं कार्य बताइये।